पार्षदों ने शोर-शराबे में गुजारा पूरा दिन, बजट पर चर्चा एक माह टली

खेल अकादमी, ऑडिटोरियम व दो मंजिला पार्किंग बनाने और सामुदायिक केन्द्रों के विकास के लिए पैसा कहां से आएगा, इसका भी कोई रोडमैप नहीं

- उपमहापौर पुनीत कर्णावट और वित्त समिति की अध्यक्षा शील धाबाई ने कहा कि अगर अधिकारी बैठक में इन प्रोजेक्ट्स की डी.पी.आर. भी रखते और बतातेकि बजट कहां से आएगा तो ज्यादा अच्छा रहता
- चेयरमैन प्रवीण यादव ने अजमेरी गेट से लेकर मुख्य टोंक रोड को मैकेनिकल स्वीपिंग के नाम पर एन.एस. कंपनी को मुफ्त विज्ञापन के लिए देने का मुद्दा उठाया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । ग्रेटर निगम में करीब सवा साल बाद हुई साधारण सभा की बैठक हंगामे की भेंट चढ़कर रह गई। कांग्रेस-भाजपा पार्षदों ने पूरा दिन शोर-शराबे और हंगामे में गुजार दिया, इसके चलते शहर में सड़कें बनाने और वार्डों में विकास कार्य कराने जैसे अहम मुद्दे पर चर्चा तक नहीं हो सकी। अब महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने 27 जून तक बोर्ड मीटिंग स्थगित कर दी हैं, कहा जा रहा है कि इस प्रस्ताव पर तभी चर्चा होगी।

विडंबना यह है कि दिनभर में जयपुर ग्रेटर निगम द्वारा खेल अकादमी, ऑडिटोरियम व मुख्यालय भवन में दो मंजिला बेसमेंट पार्किंग बनाने और सामुदायिक केन्द्रों के विकास के लिए जो चर्चा हुई, उसके लिए भी पैसा कहां से आएगा और कितने समय में कौनसा प्रोजेक्ट पूरा होगा, इसका कोई रोडमैप नहीं दिखा।

उपमहापौर पुनीत कर्णावट और वित्त समिति की अध्यक्षा शील धाबाई ने कहा कि अगर अधिकारी बैठक में इन प्रोजेक्ट्स की डी.पी.आर. भी रखते और बजट कहां से आएगा, इसके बारे में भी जानकारी देते तो ज्यादा अच्छा रहता।

सामुदायिक केन्द्रों के विकास के प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान शील धाबाई ने मेयर से कहा कि इसे लेकर बजट कहां से आएगा, इसके बारे में भी बता दीजिए। इस पर मेयर ने कहा कि आप पॉजिटिव चर्चा होने दीजिए। शील धाभाई ने कहा कि मैं तो पॉजिटिव ही बात ही कर रही हूं।

चेयरमैन प्रवीण यादव ने अजमेरी गेट से लेकर मुख्य टोंक रोड को मैकेनिकल स्वीपिंग के नाम पर एन.एस. कंपनी को मुफ्त विज्ञापन के लिए देने का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि बोर्ड मीटिंग में जयपुर शहर के सर्किल, डिवाइडर, तिराहे-चौराहे को विकास के लिए समितियों व कंपनियों को गोद देने का प्रस्ताव है, लेकिन यह कार्य जनसेवा का ही होना चाहिए। जब जयपुर शहर में नगर निगम प्रशासन रोड स्वीपिंग का काम करवा रहा है, तो फिर एन.एस. एडवरटाइजिंग को मुख्य टोंक रोड का काम क्यों दे रखा है, इसके बदले कंपनी को इस रोड पर विज्ञापन लगाने की छूट है। टोंक रोड पर होर्डिंग्स साइट्स की कीमत करोड़ों रुपये में है, जोकि इस कंपनी पर नगर निगम की खुली मेहरबानी दर्शाता है।

खेल अकादमी और ऑडिटोरियम बनाने के प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान एक पार्षद ने कहा कि नगर निगम के पास पार्षद कार्यालय बनाने की जमीन तक तो है नहीं, फिर भी सपने ऐसे दिखाए जा रहे हैं। यह काम कब पूरा होगा, इसका कोई अता-पता नहीं है।

जयपुर के श्मशान घाटों पर नि:शुल्क गौकाष्ठ मुहैया करवाने के मुद्दे पर पक्ष-विपक्ष के पार्षद एकजुट नजर आए। ई-व्हीकल चार्जिंग के लिए निगम मुख्यालय और जोन कार्यालयों में प्वाइंट बनाने का सुझाव आया।

इससे पहले आज सुबह बैठक तय समय से एक घंटे देरी से शुरू हुई। बैठक की शुरुआत में ही पक्ष व विपक्ष के सदस्यों ने सीट पर लगे माइक के ठीक से काम नहीं करने की बात कहकर हंगामा शुरू कर दिया। इस दौरान कांग्रेस के पार्षदों ने अपनी आवाज दबाने की बात कही तो भाजपा के पार्षदों ने अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया।

इस पर मेयर सौम्या गुर्जर ने भी माइक ठीक से काम नहीं करने को लेकर अधिकारियों से नाराजगी जताई। उसके बाद वैकल्पिक माइक की व्यवस्था करके साधारण सभा की बैठक शुरू हुई। बैठक की शुरूआत में मेयर सौम्या गुर्जर विपक्ष से ज्यादा पक्ष के सदस्यों के निशानें पर रही। प्रस्तावों पर बोलने की व्यवस्था को लेकर जहां विपक्ष ने मेयर पर भेदभाव का आरोप लगाया तो पक्ष के वरिष्ठ पार्षद रामवतार ने तो मेयर सौम्या गुर्जर को सदन नियमों से चलाने की हिदायत ही दे डाली। दरअसल साधारण सभा की बैठक में 21 में से मात्र 15 प्रस्तावों पर चर्चा हो सकी।

बैठक की शुरूआत में मेयर डॉ. सौम्या ने व्यवस्था दी थी कि एक सदस्य एक ही प्रस्ताव पर बोलेगा, जिससे सभी सदस्यों को बोलने का मौका मिले। लेकिन भाजपा के पार्षद रामवतार ने कहा कि सदन को चलाने के नियमों के तहत कोई भी सदस्य कितने भी प्रस्तावों पर बोल सकता है। भाजपा पार्षद जितेन्द्र श्रीमाली ने भी इसका समर्थन किया।

उन्होंने कहा कि जो पार्षद एक से ज्यादा प्रस्तावों पर बोलने की तैयारी करके आए है। उनकी क्या गलती है। जो पार्षद नहीं बोलना चाहते है वो ना बोले। लेकिन जो पार्षद प्रस्ताव पर चर्चा में हिस्सा लेना चाहते है। उन्हें मौका दिया जाना चाहिए।

एल.आई.सी. की हिस्सेदारी 62.58 फीसदी बाजार में

- वर्ष 2022-23 में भारतीय जीवन बीमा निगम को 36 हजार 397 करोड़ रुपये का लाभ हुआ
- एल.आई.सी. बोर्ड ने 3 रुपये प्रति शेयर लाभांश देने की अनुशंषा की

जयपुर (कासं)। भारतीय जीवन बीमा निगम (एल.आई.सी.) के निदेशक मंडल ने 31मार्च 2023 को समाप्त हुए वर्ष के लिए अनुमोदित और स्वीकृत स्टैंडअलोन और समेकित वित्तीय परिणामों को मंजूरी दी है।

बताया जा रहा है कि पिछले वर्ष के 4 लाख 27 हजार 419 करोड़ रुपये की तुलना में इस बार 4 लाख 74 हजार 5 करोड़ रुपये के साथ कुल प्रीमियम आय में 10.90 फीसदी की वृद्धि हुई है। निगम ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में 62.58 प्रतिशत बाजार की हिस्सेदारी के साथ अपना नेतृत्व बनाये रखा है। आई.आर.डी.ए.आई. के आंकड़ों के मुताबिक भारतीय जीवन बीमा निगम ने प्रथम वर्ष प्रीमियम आय वर्ष 2022 में 1.98 लाख रुपये की तुलना में 16.67 प्रतिशत बढ़त हासिल की है, जो कि वित्तीय वर्ष 2023 में 2.32 लाख करोड़ रुपये हो गई है। इस वर्ष एल.आई.सी. को 36 हजार 397 करोड़ रुपये का लाभ (टैक्स चुकाने के बाद) हुआ है।

निदेशक मंडल ने 3 रुपये प्रति शेयर के लाभांश की भी अनुशंषा की है, जो कि 1897 करोड़ रुपये का लाभांश होगा। वार्षिक प्रीमियम समतुल्य के अधार पर गत वर्ष कुल प्रीमियम 50 हजार 390 करोड़ रु. था, इसमें भी 12.49 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, 31 मार्च 2023 को कुल प्रीमियम 56 हजार 682 करोड़ रुपये था।

नव व्यवसाय का मूल्य (सकल) 16.49 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 11 हजार 553 करोड़ रुपये हुआ है। इंडियन एंबेडेड वैल्यू 7.53 प्रतिशत की बढ़त के साथ 5.82 लाख करोड़ रुपये हो गई है। वित्त वर्ष 2023 में व्यक्तिगत व्यवसाय के अंर्तगत एल.आई.सी. ने 2.04 करोड़ पॉलिसियां बेची है।

डॉ. सतीश पूनियां ने रोजगार मेले की टी-शर्ट लॉंच की

जयपुर । आमेर विधानसभा क्षेत्र के युवाओं के लिये 3 जून को कूकस में आयोजित होने वाले रोजगार मेला की जयपुर स्थित जनसंवाद केन्द्र राजस्थान विधानसभा उपनेता प्रतिपक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं के साथ टी-शर्ट की लॉन्चिंग की।

इसके बाद सतीश पूनियां ने अपने आमेर विधानसभा क्षेत्र के कूकस में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुये 3 जून को कूकस के आर्या कॉलेज में आयोजित होने वाले रोजगार मेला को लेकर विस्तार से चर्चा कर जानकारी दी। डॉ. पूनियां ने आमेर विधानसभा क्षेत्र के युवाओं से 3 जून को कूकस में आयोजित होने वाले रोजगार मेले में पहुंचने की अपील और आव्हान किया।

उन्होंने कहा कि, गाइडेंस के अभाव में अनुभवी एवं दक्ष ग्रामीण युवाओं को रोजगार के संकट से जूझना पड़ता है, लेकिन आमेर विधानसभा क्षेत्र में तीन जून को विशेष रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा और इसके माध्यम से निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसमें ऐसे युवा लाभांवित होंगे जो कि आइटीआई स्किल्ड, दसवीं एवं बारहवीं पास और तकनीकी और ग्रेजुएट हैं। स्वरोजगार को प्रेरित करने वाले उपायों पर विचार करते हुए बड़ी कंपनियों से संपर्क कर आमेर विधानसभा क्षेत्र के युवाओं को लाभांवित करने का नवाचार किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आमेर, जयपुर और राजस्थान में टूरिज्म एवं विभिन्न क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। रूरल टूरिज्म का राजस्थान में समुचित तरीके से विकास नहीं हुआ, जबकि दक्षिण भारत में इससे काफी लोग रोजगार प्राप्त कर रहे हैं। रोजगार मेला की टी-शर्ट लॉन्चिंग के अवसर पर डॉ. सतीश पूनियां के साथ प्रधान हरदेव यादव, मंडल अध्यक्ष पप्पू सैनी, मंडल अध्यक्ष बंशी यादव, पूर्व प्रधान सीता चौधरी, पूर्व प्रधान बादाम देवी, भाजयुमो जिला अध्यक्ष भगवान शर्मा, आमेर शहर प्रभारी आनंद यादव, सरपंच शैतान निठारवाल, सांवरमल चौधरी, पप्पू बागड़ा मौजूद थे।

सार-समाचार

गौ सेवा कर चतुर्वेदी ने जन्मदिन मनाया

जयपुर । भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एव पूर्व केबिनेट मंत्री डा.अरूण चतुर्वेदी ने शुक्रवार को अपना जन्मदिन गौसेवा एवं पक्षियों के लिए परिंडे बांधकर मनाया। इस अवसर पर राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से आए कार्यकर्ताओं सहित सिविल लाइन विधान सभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं ने अपने जननेता को बधाई दी। जन्मदिन के उपलक्ष्य में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, भाजपा के वरिष्ठ नेता ओम प्रकाश माथुर, भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, जयपुर ग्रामीण के सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़, जयपुर के सांसद रामचरण बोहरा, प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी,भाजपा के संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर , राज्य विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़, केंद्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल, कैलाश चौधरी, गजेंद्र सिंह शेखावत, राज्य विधान सभा में भाजपा के उपनेता डॉ. सतीश पूनिया, पूर्व विधान सभा उपाध्यक्ष राव राजेंद्र सिंह, विधायक नरपत सिंह राजवी, कालीचरण सर्राफ, निर्मल कुमावत, अशोक लाहोटी, पूर्व विधायक मोहन लाल गुप्ता, सुरेन्द्र पारीक, राजपाल सिंह शेखावत सहित पार्टी के सभी नेताओ ने शुभकामनाए दी। इससे पूर्व डॉ. चतुर्वेदी ने प्रात: कोशल्या दासजी की बगीची में गो सेवा कर गायों को चारा खिलाया। कलेक्ट्री सर्किल, बनीपार्क में पक्षियों के लिए परिंडे बांधे इसके बाद सुभाष नगर में बनीपार्क क्षेत्र के कार्यकर्ताओं द्वारा चतुर्वेदी का स्वागत किया गया। शाम को सिविल लाइन्स क्षेत्र के कार्यकर्ताओं ने चतुर्वेदी का स्वागत किया। भव्य बाइक रैली के माध्यम से डॉ. चतुर्वेदी हजारों कार्यकर्ताओं सहित पहुंचे।

शराब सेल्समैन पर जानलेवा हमला

जयपुर (कासं)। वैशाली नगर इलाके में बुधवार रात बदमाशों ने एक शराब दुकान के सेल्समैन पर जानलेवा हमला कर दिया। नकाबपोश बदमाशों ने पाइप-सरिए से ताबडतोड़ वार कर उसे लहूलुहान कर दिया। जमीन पर बेहोश होकर गिरे सेल्समैन को मरा समझकर हमलावर भाग निकले। घायल सेल्समैन का गंभीर हालत में प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। वैशाली नगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि खातीपुरा वैशाली नगर निवासी विजेन्द्र सिंह ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। उसके साथी सेल्समैन नन्दू सिंह (36) को जाने से मारने का प्रयास किया गया है। वह दोनों खातीपुरा तिराहा स्थित अंग्रेजी शराब की दुकान पर सेल्समैन का काम करते है। रोजाना की तरह बुधवार रात 8 बजे दुकान बंद कर दोनों पास ही ग्रीन पार्क पर खाना खाने चले गए। रात करीब 9:45 बजे दोनों दुकान के बाहर खडी बाइक लेने वापस लौटे। इसी दौरान बाइक पर आए तीन लडके रूककर पता पूछने लगे। सेल्समैन नन्दू सिंह के पता बताने के दौरान दूसरी पर बाइक पर तीन नकाबपोश बदमाश आए। लोहे की पाइप-सरिए से नन्दू सिंह पर हमला कर दिया। पाइप-सरिए से ताबड़तोड़ वार कर उसे लहुलूहान कर दिया। जमीन पर लहूलुहान हालत में गिरा देकर मरा समझकर हमलावर फरार हो गए। घायल नन्दू को साथी सेल्समैन विजेन्द्र सिंह ने मरूधर हॉस्पिटल में भर्ती करवाया।

कलयुगी पिता ने किया बेटी से दुष्कर्म

जयपुर (कासं)। जयसिंहपुरा खोर इलाके में एक बाप ने अपनी नाबालिग बेटी को ही हवस का शिकार बना लिया। पुलिस ने बताया इलाके निवासी 16 वर्षीया किशोरी ने रिपोर्ट दी है कि 9 मई को मां, छोटे भाई को लेकर ननिहाल गई थी। घर में छोटा भाई, बहन और पिता मौजूद थे। आरोप है 11 मई की रात करीब 12 बजे पिता जबरन उसके बगल में लेट गया और अश्लील हरकत करने लगा। उसने विरोध किया लेकिन पिता नहीं माना और दुष्कर्म किया। घटना के बारे में किसी को बताने पर धमकी दी। पीडिता ने अपनी मां को यह बात बताई तो उसने कहा तेरे पिता ऐसे नहीं है। वह ऐसा नहीं कर सकते, इसका क्या सबूत है।

सदन के भीतर पक्ष-विपक्ष के बीच धक्का-मुक्की

निर्दलीय स्वाति परनामी और भाजपा पार्षद विकास बारेठ के बीच हुई थी तू-तू-मैं-मैं

- नाराज पार्षद स्वाति परनामी वैल में धरने पर बैठी तो उपमहापौर व दो दर्जन पार्षदों ने उनसे समझाइश की, हालांकि महापौर डॉ. सौम्या ने 15 मिनट तक सदन की कार्यवाही स्थगित कर दोनों पार्षदों को समझाइश कर मामला शांत कराया
- इससे पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजीव चौधरी ने पूरे विपक्ष ने वैल में उतकर महिला पार्षद के अपमान का विरोध किया, जिस पर कांग्रेस-भाजपा पार्षद आपस में गुत्थमगुत्था हो गए

जयपुर (कासं)। ग्रेटर निगम की साधारण सभा की बैठक में गुरुवार को भारी हंगामा हो गया। सभा के दौरान पार्षदों के बीच हाथापाई और धक्का-मुक्की हो गई। इस दौरान भाजपा पार्षद स्वाति परनामी रो पड़ीं। दरअसल जयपुर के विकास के संबंध में प्रस्तावों पर चर्चा हो रही थी, तभी पार्षद स्वाति परनामी ने आपत्ति दर्ज कराई कि, अगर हमारे वार्ड की बात नहीं की जाएगी तो हम जयपुर शहर की बात क्यों करें। उनकी इस बात पर पार्षद विकास बारेठ ने कहा कि हम यहां सदन में पूरे शहर के विकास की बात कर रहे हैं।

इस पर परनामी ने आपत्ति दर्ज करवाई तो दोनों में कहासुनी और तू-तू-मैं-मैं हो गई। करीब 15 मिनट तक दोनों के बीच बहस होती रही। अन्य पार्षदों ने बीच बचाव किया तो हंगामा हो गया। कांग्रेसी पार्षद भी खड़े होकर विकास बारेठ पर कार्रवाई की मांग करने लगे। हंगामे के बीच कांग्रेसी पार्षद वैल में आ गए। वहीं स्वाति परनामी भी वैल में आकर धरने पर बैठ गई। पार्षद जयश्री गर्ग ने भी स्वाति परनामी का समर्थन किया।

इस दौरान पार्षद विकास बारेठ, उपमहापौर पुनीत कर्णावट और अन्य पार्षदों से भी उलझ पड़े। उनके इस रवैये को देखते हुए कांग्रेस पार्षदों ने भी वैल में पहुंचकर "महिला का अपमान नहीं सहेगा राजस्थान" जैसे नारे लगाने शुरू कर दिया। जिस पर कांग्रेस पार्षद दल के नेता राजीव चौधरी व भाजपा पार्षद विकास बारहठ आपस में उलझ गए। दोनों के बीच धक्का-मुक्की की नौबत आ गई। इसके बाद मेयर सौम्या गुर्जर ने सदन की कार्रवाई 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी। हालांकि सदन की कार्रवाई के स्थगन के दौरान भी पार्षद परनामी वेल में ही बैठी रही। वहीं भाजपा के पार्षद विकास बारेठ से समझाइश में लगे रहे। हालांकि बाद में उपमहापौर पुनीत कर्णावट, चेयरमैन राखी राठौड़ और अन्य लोगों ने बीच बचाव कर दोनों पक्षों में सुलह करवाई।

सिक्ख समाज की अनदेखी नहीं करे सरकार : सुखप्रीत

ग्रेटर निगम की विद्युत समिति की चेयरमैन सुखप्रीत बंसल और सिक्ख समाज ने कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा को ज्ञापन सौंपा।

जयपुर (कासं)। ग्रेटर निगम की चेयरमैन सुखप्रीत बंसल रंधावा ने सिक्ख समाज के प्रतिनिधियों के साथ कांग्रेस के राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा से मुलाकात की। उन्होंने गुरूद्वारों को देवस्थान एक्ट से बाहर निकालने, गुरूद्वारों के संरक्षण और सिक्ख बोर्ड का प्रारूप जल्द बनाने की मांग रखी। जिस पर सुखजिंदर सिंह रंधावा ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार से सिक्ख व पंजाबी समाज के हितों के मुद्दों पर सकारात्मक निर्णय लेने के लिए बात की जायेगी।

सुखप्रीत बंसल ने कहा कि मुख्यमंत्री गहलोत ने सिक्ख बोर्ड बनाने की घोषणा तो कर दी है, लेकिन साढ़े 4 वर्ष पहले बीजेपी सरकार के वक्त गठित पंजाबी अकादमी में आज तक चेयरमैन नियुक्त नहीं कर सकता। यह अकादमी राजस्थान में रहने वाले 20 लाख पंजाबी भाषा बोलने वाले लोगों के प्रति उत्तरदायी थी। ऐसे में चेयरमैन की नियुक्ति नहीं होना, पंजाबी भाषा बोलने वाले लोगों के साथ कुठाराघात है। सुखप्रीत रंधावा ने कहा कि अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री बनते ही गुरूनानकजी के 550वें जन्मदिवस पर विशेष समारोह आयोजित किया था, उन्होंने राजस्थान में आनंद कारज मैरिज एक्ट लागू करने की घोषणा की थी, लेकिन आज तक कुछ नहीं हुआ। कुछ समय पर सिक्ख समाज के प्रतिनिधि पुन: मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मिले थे और गुरूद्वारों को देवस्थान एक्ट से बाहर रखवाने की मांग रखी थी, जिसे मुख्यमंत्री ने भी उचित माना था। क्योंकि सिक्ख समाज शुरू से ही अपनी सर्वोच्च संस्था अकाल तख्त द्वारा निर्मित शिरोमणि गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा चलना चाहता है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने जो सिक्ख बोर्ड गठित किया है, इसका भी प्रारूप आज तक नहीं बना। राजस्थान में कई ऐतिहासिक गुरूद्वारे हैं, जो संरक्षण के अभाव में अपना स्वर्णिम इतिहास खो रहे हैं। इन गुरूद्वारों को टूरिज्म से जोड़ने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने सहावा साहब के लिए 3 करोड़ रुपये का बजट सड़क निर्माण के लिए दिया था, लेकिन आज तक एस.डी.एम. ने इस मामले में कोई एक्शन नहीं लिया।

'मंत्री धारीवाल ने चहेतों को आवंटित किए बंगले'

जयपुर । सांसद डॉक्टर किरोड़ी मीणा ने कैबिनेट मंत्री शांति धारीवाल पर करोड़ों रुपये के घोटाले का आरोप लगाया है। डॉक्टर किरोड़ी ने स्किल डेवलपमेंट के नाम पर चहेतों को बंगले आवंटित करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि इसमें पुनर्निर्माण नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए काले धन का उपयोग किया जा रहा है। डॉ किरोड़ी लाल मीना गुरुवार को अचानक एनआरआई कॉलोनी (राजआँगन) पहुँचे। डॉ मीना ने तथ्यों के साथ आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार ने चहेतों को राज आँगन कॉलोनी में भ्रष्टाचार से आवंटन कर करोड़ों रुपए का घोटाला किया। राजधानी में खुले आम भ्रष्टाचार से बंदरबाट जारी है। डॉ मीना ने कहा कि इस घोटाले में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सबसे खास मंत्री धारीवाल पूरी तरह लिप्त है। डॉ मीना ने कहा की अशोक गहलोत ने शांति धारीवाल को नगरीय विकास मंत्री जिस उद्देश्य के लिए बनाया लगभग वो उदेश्य पूरा हो ही गया।

हाउसिंग बोर्ड के खण्ड-3 की राज आंगन योजना, प्रतापनगर मंत्री शांति धारीवाल ने अपने खास व्यक्ति अश्विनी आर जी मैमोरियल एज्यूकेशन सोसायटी कोटा को 2377.36 वर्ग मीटर जमीन दी है। जिसकी कीमत 45 करोड़ है उस जमीन को मात्र 6 करोड़ 18 लाख रु. में अपने खास व्यक्ति को जिसका उद्देश्य कौशल विकास एवं शिक्षा के क्षेत्र के उद्देश्य को पूरा करने हेतु आवंटन कर दी। जिस उद्देश्य से मंत्री ने यह बेशकीमती जमीन आवंटित की वहां वह कार्य नहीं होता वहां ना तो कौशल विकास का कार्य होता, ना ही कोई शिक्षा का। आवंटी ने वहां विशाल बंगला बना लिया है जहां देर रात तक शराब पार्टियां आये दिन चलती रहती हैं। पहले इस जमीन को अलग संस्था में रजिस्ट्रेशन कराकर आवंटन कराने की कोशिश की गई लेकिन वो पॉलिसी के नियमों में नही फिट हो रही थी क्योंकि उसके लिए 2500 मीटर की भूमि होना जरूरी था, फिर इसको वापिस बदलकर कौशल विकास में लगाकर आवंटन करा लिया। इस जमीन हेतु 12 मार्च 2020 आवेदन की फाईल लगाई गई जिसके आवंटन के लिए सभी अफसरों को एक जगह बुलाकर 20 मार्च 2020 को एक साथ नोटशीट पर 20 हस्ताक्षर किए। आखिर ऐसी क्या जल्दी थी जो नोट शीट पर एक साथ 20 हस्ताक्षर कराये गये, 45 दिन बाद फिर एक दिन इनके खास अधिकारियों की मीटिंग होती है और बाकी के हस्ताक्षर 13 मई 2020 को एक ही साथ एक ही दिन में हो जाते हैं। इस जमीन के आवंटन में लेन-देन की बात नही बनती है तो सात दिन बाद वो फाईल शांति धारीवाल के पास जाती है तो उनके द्वारा फाइल पर लिख दिया जाता है कि नोटशीट अवलोकनार्थ संलग्न है, पैसों की लेन-देन की मांग पूरी हो जाती है तो एक महिने बाद ही 12 जून 2020 में जमीन को धारीवाल द्वारा आवंटन कर दिया, इसका क्या मतलब है?

78.60 लाख रुपये के विवादित भुगतान का प्रस्ताव ग्रेटर निगम की बोर्ड मीटिंग में खारिज

हाईकोर्ट में मामला लंबित होने के बावजूद अफसरों ने साधारण सभा में रखा था प्रस्ताव

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । कचरा उठाने वाले ठेकेदारों के 78.60 लाख रु. के विवादित भुगतान का प्रस्ताव ग्रेटर निगम की बोर्ड मीटिंग में खारिज हो गया है। पक्ष-विपक्ष के तमाम पार्षदों ने एक स्वर में इस एजेण्डे का विरोध करते हुए इसका निर्णय अदालत पर ही छोड़ने को कहा। क्योंकि फिलहाल यह प्रकरण राजस्थान हाईकोर्ट में चल रहा है, इसके बावजूद अधिकारियों ने ठेकेदारों को भुगतान कराने के लिए इस प्रस्ताव को बोर्ड मीटिंग के एजेण्डे में शामिल कर लिया था। भुगतान की पैरवी करते हुए अधिकारियों ने प्रस्ताव में यहां तक कह डाला कि अदालत द्वारा इस मामले में नगर निगम पर 18 प्रतिशत पेनल्टी लगने की संभावना है। पूर्व मेयर शील धाबाई, उपमहापौर पुनीत कर्णावट, चेयरमैन विनोद चौधरी, अभय पुरोहित और नेता प्रतिपक्ष राजीव चौधरी समेत तमाम पार्षदों ने इस मामले में भ्रष्टाचार की आशंका भी जताई।

उपमहापौर पुनीत कर्णावट और गैराज चेयरमैन विनोद चौधरी ने कहा कि, चूंकि यह बकाया भुगतान वर्ष 2015-16 में हाईड्रोलिक ट्रैक्टर ट्रॉली व लोडर किराये पर लेने से संबंधित है। ट्रैक्टर-ट्रॉलियों का टैंडर 5 करोड़ का था, जिसे अधिकारियों ने आर.टी.पी.पी. एक्ट की अधिकतम सीमा 50 फीसदी से भी ज्यादा बढ़ाकर 7.73 करोड़ रुपये का कर दिया।

इसी तरह लोडर के साढ़े 3 करोड़ रुपये के टैंडर को बढ़ाकर 5.82 करोड़ रुपये कर दिया, जो कि पूरी तरह नियम विरूद्ध है। इन दोनों टैंडर्स में अधिकारी जहां तक भुगतान कर सकते थे, वो इन्होंने कर दिया। आर.टी.पी.पी. (राजस्थान ट्रांसपेरेंसी इन पब्लिक प्रोक्योरमेंट) एक्ट से बाहर जाकर जो काम कराया गया, वह हुआ या नहीं, उसकी जिम्मेदारी इस बोर्ड में बैठे पार्षद कैसे ले सकते हैं, क्योंकि यह कार्य पिछले बोर्ड के समय का था।

ग्रेटर निगम की पूर्व महापौर और वित्त समिति अध्यक्ष शील धाबाई ने विवादित भुगतान पर कड़ी आपत्ति जताई।

इसके अलावा अधिकारियों ने अदालती फैसला आने से पूर्व ही 18 प्रतिशत पेनल्टी की आशंका जता दी, ऐसी आशंकाओं के आधार पर नगर निगम कब से पैसा देने लगा। इसके अलावा यह भुगतान उस वक्त का है, जब जयपुर नगर निगम एक था, अब चूंकि ग्रैटर और हैरिटेज नगर निगम अलग-अलग हो गए हैं, तो इस पूरी राशि का भुगतान अकेले ग्रेटर निगम ही क्यों करे?

उधर जब तमाम पार्षदों ने 78.60 लाख रुपये का यह विवादित भुगतान करने से एक स्वर में मना कर दिया तो आयुक्त महेन्द्र सोनी ने उन्हें इस पर राजी करने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि गत 11 मई को अदालत ने इस प्रकरण में

- वर्ष 2015-16 में क्रमशः 5 व साढ़े 3 करोड़ के टैंडर को आर.टी.पी.पी. एक्ट को दरकिनार कर 50 फीसदी से ज्यादा बढ़ाया गया था
- निगम प्रशासन ने ठेकेदारों को भुगतान की पैरवी करते हुए प्रस्ताव में लिखा कि, अदालत द्वारा इस मामले में नगर निगम पर 18 प्रतिशत पेनल्टी लगने की आशंका है

सुनवाई करते हुए कहा है कि 15 दिन में ठेकदारों को भुगतान करें, अन्यथा कमिश्नर स्वयं हाजिर हो। यह भुगतान मेरे वक्त का भी नहीं है, लेकिन कभी भी ऐसा किसी ने नहीं कहा, कि इन ठेकेदारों ने इस रकम का काम नहीं किया। इसलिए मेरा कहना है कि इन्हें भुगतान किया जाए, अन्यथा मुझे अदालत में हाजिर होना पड़ेगा। जब पार्षद राजी नहीं हुए तो कमिश्नर महेन्द्र सोनी ने डिसेंट नोट लिखने की बात भी कह डाली। इसके बाद जब महापौर ने पूरी बोर्ड की रजामंदी जानी तो सभी ने इन ठेकेदारों के भुगतान का फैसला अदालत पर ही छोड़ दिया।

चेयरमैन प्रवीण यादव ने कहा कि, नगर निगम के अधिकारी आशंका जता रहे हैं कि ठेकेदारों को 78.60 लाख रुपये का भुगतान नहीं किया तो हाईकोर्ट पेनल्टी लगा देगा। लेकिन मैं कमिश्नर साहब से ही पूछना चाहता हूं कि, अगर हाईकोर्ट का फैसला नगर निगम के पक्ष में आ गया तो आज इन फर्मों का किया हुआ भुगतान वापस ठेकेदारों से कौन लायेगा।